



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 71]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 31, 1976/चैत्र 11, 1898

N o. 71]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 31, 1976/CHAITRA 11, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 31st March 1976

SUBJECT.—Export visa and certification system for Indian cotton mill-made and handloom textile products and "India items" for export to the U.S.A.

No. 11-ETC(PN)/76.—Attention is invited to Public Notice No. 32-ETC(PN)/74, dated the 13th September, 1974 and Public Notice No. 45-ETC(PN)/74, dated the 24th December, 1974 on the above subject. In terms of the Arrangement of January, 1976 reached with the Government of the United States of America under the Indo-US Cotton Textile Agreement of August, 1974 the revised Export Visa and Certification System for Indian cotton mill-made and handloom textile products and 'India items' for export to the USA effective from 1st April, 1976 will be as follows:—

- (1) All items of millmade cotton textiles including readymade garments of millmade fabrics will require a Visa for export to the USA. The Visa will be in the form of an endorsement which will be made on the Special Customs Invoice Form 5515, successor document, or Commercial Invoice when form is used, each visa will include the visa number and the signature and the title of the official authorised to issue the visa as well as the visa date.

- (ii) The visa issuing authorities will be the Cotton Textiles Export Promotion Council or its up country representatives.
- (iii) All items of handmade cottage industry products made of handloomed fabrics of the cottage industry excluding apparels, and all items of traditional Indian folklore products (India items) which are exempt from levels of Indo-US Cotton Textile Agreement of August, 1974 will require a certification for export to the USA. This certification will be in the form of an endorsement on the Special Customs Invoice Form 5515, successor document or commercial invoice when such form is used. Each certification will include the signature and title of the official authorised to issue the certification, identify the items exempted, indicate the date the certification was signed and certified and carry the certification number. In the space marked "description" on the certification stamp the certifying official will indicate that the shipment is either a "Handmade Cottage Industry Product of Handloomed fabric of the Cottage Industry" or name of the particular Indian traditional folklore product.
- (iv) Apparel products made of handloomed fabrics of the cottage industry will require a second type of certification which again will be in the form of an endorsement on the Special Customs Invoice Form 5515, successor document or commercial invoice when such form is used. This certification will include the signature and title of the official authorised to issue the certification, identify the items, indicate the date the certification was signed and the certificate number.
- (v) The certification issuing authority will be the Textile Committee in respect of handmade cottage industry products made of handloomed fabrics of the cottage industry including apparel products of the handloomed fabrics and the Textiles Committee and or the All India Handicrafts Board in respect of "India Items".

2. Shippers are requested to note that all shipments of cotton textiles exported to the USA on or after 1st April 1976 and which are not accompanied by an export visa or certifications as detailed above will be denied entry by the USA Government. The Customs Authorities at Indian Ports will not also permit shipments of consignments without relevant visa or certifications.

3. It is necessary for the shippers to have a separate invoice for items covered by each of the sub-paragraphs (i), (iii) and (iv) of para 1 above. Otherwise, the consignments may be denied entry by the U.S.A.

P. K. KAUL,

Chief Controller of Imports & Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1976

विषय.—भारतीय सूती मिल-निर्मित तथा हथकरघा वस्त्र उत्पादों और "भारत मर्चें" के संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात के लिए निर्यात वीसा और प्रमाणन पद्धति।

संख्या 11-ई० टी० सी० (पी० एम०)/76.—उपर्युक्त विधेयक सार्वजनिक सूचना संख्या 32-ई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 13 सितम्बर, 1974 और सार्वजनिक सूचना संख्या 45-ई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 24 दिसम्बर, 1974 की ओर ध्यान दिलाया जाता है। अगस्त, 1974 के भारत-संयुक्त राज्य सूती वस्त्र समझौते के अधीन संयुक्त राज्य अमरीका की सरकार के साथ जनवरी, 1976 में की गई व्यवस्था के अनुसार भारतीय सूती-मिल निर्मित तथा

हथकरघा वस्त्र उत्पादों और “भारत मर्दे” के संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात के लिए 1-4-1976 से लागू परिणामित निर्यात बीसा और प्रमाणन पद्धति निम्नलिखित अनुसार होगी :—

- (1) मिल-निर्मित वस्त्रों की तैयार पोशाकों सहित मिल-निर्मित सूती वस्त्रों की कमी सभी मर्दों के संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात के लिए बीसा की आवश्यकता होगी। बीसा पृष्ठांकन के रूप में होगा। यह पृष्ठांकन विशेष सीमाशुल्क बीजक प्रपत्र 5515, उत्तरवर्ती दस्तावेज, या जब ऐसा प्रपत्र प्रयोग किया जाए तो वाणिज्यिक बीजक पर किया जाएगा। प्रत्येक बीसा में बीसा संख्या और बीसा जारी करने वाले प्राधिकृत पदाधिकारी व्यक्ति का पदनाम तथा हस्ताक्षर और बीसा की तिथि शामिल होगी।
- (2) सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् या इसके अन्तर्देशीय प्रतिनिधि बीसा जारी करने वाले प्राधिकारी होंगे।
- (3) पोशाकों को छोड़ कर कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्रों से बने हुए हस्त निर्मित कुटीर उद्योग उत्पादों की सभी मर्दों और परम्परागत भारतीय लोकज्ञान उत्पादों (भारत मर्दे) की सभी मर्दों जो अगस्त, 1974 के भारत-संयुक्त राज्य सूती वस्त्र समझौते के स्तरों से विमुक्त हैं, उनके संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात के लिए एक प्रमाणन की आवश्यकता होगी। यह प्रमाणन विशेष सीमाशुल्क बीजक प्रपत्र 5515 पर, उत्तरवर्ती दस्तावेज पर या यदि ऐसा प्रपत्र प्रयोग किया जाए तो वाणिज्यिक बीजक पर एक पृष्ठांकन के रूप में होगा। प्रत्येक प्रमाणन में प्रमाणन जारी करने वाले प्राधिकृत पदाधिकारी के हस्ताक्षर और पदनाम, विमुक्त मर्दों की पहचान शामिल होगी और वह जिस तिथि को हस्ताक्षरित और प्रमाणित किया गया था उस तिथि को और प्रमाणन संख्या को निर्दिष्ट करेगा। प्रमाणन के लिए लगाई गई मोहर में “विवरण” चिह्नित किये गए स्थान में प्रमाणित करने वाला पदाधिकारी यह निर्दिष्ट करेगा कि पोतलदान या तो “कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्रों के हस्तनिर्मित कुटीर उद्योग उत्पाद” का है या विशेष भारतीय परम्परागत लोकज्ञान उत्पाद का नाम निर्दिष्ट करेगा।
- (4) कुटीर उद्योग के हथकरघा के वस्त्रों से बने पोशाक उत्पादों के लिए एक दूसरे प्रकार के प्रमाणन की आवश्यकता होगी वह भी विशेष सीमाशुल्क बीजक प्रपत्र 5515, उत्तरवर्ती दस्तावेज या यदि ऐसा प्रपत्र उपयोग किया जाता है तो वाणिज्यिक बीजक पर पृष्ठांकन के रूप में होगा। इस प्रमाणन में प्रमाणन जारी करने वाले प्राधिकृत पदाधिकारी के हस्ताक्षर और पदनाम शामिल होंगे और यह मर्दों की शिनाख्त, प्रमाणन जिस तिथि को हस्ताक्षरित किया गया था वह तिथि और प्रमाण पत्र की संख्या निर्दिष्ट करेगा।
- (5) हथकरघा से बने वस्त्रों के पोशाक उत्पादों सहित कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्रों से बने हस्त-निर्मित कुटीर उद्योग उत्पादों के सम्बन्ध में प्रमाणन जारी करने वाला प्राधिकारी वस्त्र समिति होगी और “भारत मर्दों” के सम्बन्ध में वस्त्र समिति और या अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड होगा।

2. पोत वणिकों से इस बात को नोट कर लेने के लिए अनुरोध किया जाता है कि 1 अप्रैल, 1976 को या इससे बाद में संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात किए गए सूती वस्त्रों के सभी पोतलदान और जिन के साथ ऊपर उल्लिखित अनुसार निर्यात बीसा या प्रमाणन नहीं है, संयुक्त राज्य अमरीका सरकार द्वारा प्रविष्टि के लिए मना कर दिए जाएंगे। भारतीय पत्तनों पर सीमाशुल्क प्राधिकारी भी संगत बीसा या प्रमाणन के बिना पोतलदान या माल परेषण की अनुमति नहीं देंगे।

3. उपर्युक्त पैरा 1 के उप-पैरा (1), (3) और (4) में से प्रत्येक में शामिल मदों के लिए पोतवणिकों के लिए एक अलग बोजक रखना आवश्यक है अन्यथा संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा माल परेषण की प्रविष्टि के लिए मना किया जा सकता है।

पी० के० कौल,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात।

MISSING-

NOS. - 10, 14, Page 43-48

No. 68, Page - 337-374

